क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 02 अंक: 72, शनिवार, 06 अप्रैल, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

'न्याय' के लिए फंड कहां से लाएंगे?, छात्रा के सवाल पर राहुल ने दिया जवाब

पुणे। कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि गरीबों के लिए 'न्याय' या न्यूनतम आय योजना मध्यम वर्ग पर बोझ डाल कर या आयकर बढ़ाए बिना लागू की जाएगी। राहुल ने कहा कि अगर उनकी कांग्रेस पार्टी सत्ता में आई तो गरीब परिवारों को न्यूनतम आय के तौर पर हर साल 72,000 रुपए देगी जिससे करीब 25 करोड़ लोगों को फायदा होगा। इस कदम को गांधी ने गरीबी पर 'सर्जिकल स्ट्राइक' बताया है। यह पूछे जाने पर कि न्यूनतम आय योजना (न्याय) के लिए कोष कैसे एकत्रित की जाएगी, इस पर गांधी ने कहा, ''मध्यम वर्ग से पैसा नहीं लिया जाएगा और आयकर नहीं बढ़ाया जाएगा। पुणे में छात्रों से बातचीत में कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि योजना के लिए कोष जुटाने के सिलसिले में सारा हिसाब लगा लिया गया है। उन्होंने कहा कि किसानों और गरीबों समेत समाज के सभी वर्गों से राय लेने के बाद कांग्रेस का घोषणापत्र तैयार किया गया है। गांधी ने कहा कि सभी पक्षकारों से बातचीत के बाद कांग्रेस का चुनावी घोषणा पत्र तैयार किया गया है। देश में रोजगार की स्थिति के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि भारत में हर घंटे करीब 27,000 नौकरियां कम हो रही हैं। कांग्रेस प्रमुख ने वादा किया कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में आयी तो संसद, विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 फीसदी सीटें आरक्षित की जाएगी।

नवजोत कौर कोई स्टैपनी नहीं, जिसे कहीं भी फिट कर लें: सिद्धू

जालंधर। चंडीगढ़ से टिकट न मिलने के बाद बठिंडा में हरसिमरत बादल के मुकाबले टिकट देने की चर्चाओं पर निकाय मंत्री नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा कि डा. नवजोत कौर सिद्धू कोई स्टैपनी नहीं है, जिसे टायर फटने के उपरांत कहीं भी फिट कर दिया जाए। 20 दिनों के राजनीतिक अज्ञातवास के उपरांत 'पंजाब केसरी' से बेबाक बातचीत करते हुए सिद्धू ने कहा कि नवजोत कौर सिद्धू बठिंडा से हरसिमरत बादल के खिलाफ चुनाव नहीं लड़ेंगी। मोगा रैली में उन्हें नजरअंदाज किए जाने व डा. सिद्धू को टिकट न मिलने को लेकर उनकी पार्टी से कोई नाराजगी नहीं थी। वह स्वास्थ्य दिक्कतों की वजह से आराम कर रहे थे। मुख्यमंत्री कैप्टन अमरेन्द्र सिंह ने भी सम्पर्क करने की कोशिश की परंतु वह किसी से भी नहीं मिले। वह 1-2 दिनों में राहुल गांधी से मुलाकात करेंगे और पार्टी प्रोग्रामों के तहत वह उन्हें जहां प्रचार के लिए भेजेंगे वह वहां जाकर कांग्रेस का झंडा बुलंद करेंगे। उन्होंने कहा कि डा. सिद्धू की टिकट की खातिर किसी से कोई सिफारिश नहीं की और न ही उनकी पत्नी ने उन्हें कभी बताया कि वह चंडीगढ़ से चुनाव लडऩे की इच्छुक है। मुझे तो टिकट अप्लाई करने के बाद पता चला। सिद्धू इतना छोटा नहीं है कि राहुल गांधी से टिकट मांगने जाए। मेरी पत्नी ने चेयरमैनी का त्याग किया, मैंने राज्यसभा छोड़ी, मंत्री पद छोड़ा, बादलों ने मरी जूं तक छोड़ी हो तो बताओ। अगर कभी कुछ मांगा तो केवल पंजाब की खातिर ही मांगा है। सिद्धू ने कहा कि पवन बांसल के लिए उनकी जान भी हाजिर है और वह बांसल के लिए चंडीगढ़ जाकर प्रचार भी करेंगे क्योंकि अगर एम.पी. को जिताएंगे तभी राहुल को प्रधानमंत्री बना पाएंगे।

बालाकोट

बालाकोट का सबसे बड़ा सबूत पाकिस्तान का स्वयं ट्वीट करना : मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के काफिले पर फिदायीन आतंकवादी हमले के बाद बालाकोट में हवाई कार्रवाई का सबूत मांगने वालों को जवाब देते हुए कहा कि सबसे बड़ा सबूत पाकिस्तान ने स्वयं ट्वीट करके दुनिया को दिया था। मोदी ने कहा कि हमने तो कोई दावा नहीं किया था। हम तो अपना काम करके चुप बैठे थे। पाकिस्तान ने कहा कि आए हमको मारा फिर उन्हीं के लोगों ने वहां से बयान दिया। इस सारे में कितने मरे, कितने नहीं मरे, मरे कि नहीं मरे, ये जिसको विवाद करना है करते रहे। कांग्रेस के केन्द्र की सत्ता में आने पर जम्मू-कश्मीर में सशस्त्र बल विशेषाधिकार कानून (अफस्पा) की समीक्षा किए जाने पर निशाना साधते हुए इसे टुकड़े टुकड़े गैंग की भाषा करार दिया है। मोदी ने एक टेलीविजन चैनल को दिए गए साक्षात्कार में कांग्रेस के अफस्पा कानून की समीक्षा किए जाने के सवाल के उत्तर में कहा कि आप अफस्पा का कानून हटाना चाहते हैं, लाए आप, आपको कभी नियमित रुप से समीक्षा करनी चाहिए थी, स्थिति देखनी चाहिए, लेकिन आंखें बंद रखने। हां दुनिया में कोई यह नहीं चाहेगा कि देश जेलखाना बनाकर चले, लेकिन आपने स्थितियां सुधारते जाना चाहिए, जैसा हमने अरुणाचल प्रदेश में किया, जहां स्थिति सुधरी, उसे बाहर निकाला, लेकिन कानून खत्म कर देना, कानून को बदल देना, यह जो आप टुकड़े टुकड़े गैंग की भाषा बोल रहे हो, तो यह देश कैसे चलेगा?'' अलगाववादियों की भाषा को पाकिस्तान प्रायोजित भाषा बताते हुए कहा कि सवाल यह है कि हम ऐसा हिंदुस्तान चाहते हैं, जिसमें अफस्पा हो ही नहीं, लेकिन वो स्थिति तो लाएं पहले, उस परिस्थिति पर आज पाकिस्तान जिस प्रकार से घटनाएं कर रहा है, जो अलगाववादी, लोग भाषा बोलते हैं, अलगाववादी लोग हमारी सेना के लिए जो भाषा बोलते हैं, जो पाकिस्तान प्रायोजित भाषा है, इस भाषा की अगर इस घोषणा पत्र में बूढ़े आती है, वो देश के सुरक्षा बलों के जवानों को आप कितना हतोत्साहित कर रहे हैं, देश का कितना नुकसान कर रहे हैं आप?'' मोदी ने अफस्पा से संबधित प्रावधानों में संशोधन करने की आवश्यकता पर गहन चर्चा के बीच कहा कि वह एक ऐसा देश चाहते हैं जहां अफस्पा की कोई आवश्यकता नहीं हो लेकिन इसके लिए आदर्श स्थिति की जरूरत है। हम ऐसा हिंदुस्तान चाहते हैं जिसमें अफस्पा होनी ही नहीं चाहिए। कानून के साथ खेलने या कानून में बदलाव करने के कांग्रेस के प्रयास स्वीकार्य नहीं हैं। कांग्रेस का घोषणापत्र वास्तव में पाकिस्तान प्रायोजित ताकतों की 'भाषा' बोलता है जो चिंता की बात है। मोदी ने पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के साथ गठबंध करने के निर्णय को उचित ठहराते हुए कहा, ''यह सच है कि यह दो बिल्कुल विपरीत दलों का साथ आने का मामला था...लेकिन यह जरूरी था क्योंकि राज्य में सरकार बनाने का कोई और रास्ता नहीं था।'' भाजपा ने पीडीपी के साथ गठबंधन मुफ्ती मोहम्मद सईद के कार्यकाल में किया था जो एक 'परिपक्व' नेता थे। पीडीपी के साथ गठबंधन उस समय विफल हुआ जब भाजपा ने कड़ा रुख अपनाया कि राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव होने चाहिए, जिसका तत्कालीन मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने विरोध किया था।

लोकसभा चुनाव: दिल्ली की 7 सीटों के लिए आप अलग से जारी करेगी घोषणापत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आम आदमी पार्टी (आप) लोकसभा चुनाव में दिल्ली की सभी सात सीटों के लिए अलग-अलग घोषणापत्र जारी करेगी। दिल्ली में लोकसभा चुनाव के छठे चरण में 12 मई को मतदान होगा। आप की दिल्ली इकाई के संयोजक गोपाल राय की अगुवाई में घोषणापत्र बनाने का काम अंतिम चरण में है। सूत्रों के अनुसार मतदान के लिए 16 अप्रैल को नामांकन शुरू होने से पहले पार्टी का घोषणापत्र जारी होगा। आप राष्ट्रीय स्तर पर एक घोषणापत्र जारी करने के अलावा दिल्ली में सात लोकसभा सीटों के लिये अलग घोषणापत्र जारी करेगी। पार्टी के एक नेता ने बताया कि सभी लोकसभा क्षेत्रों की स्थानीय समस्याओं और इनके समाधान के लिए भविष्य की कार्ययोजना के साथ घोषणापत्र तैयार किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि 2014 के लोकसभा चुनाव में आप ने एक ही घोषणापत्र जारी किया था। हालांकि, 2013 के विधानसभा चुनाव में आप ने सभी 70 विधानसभाओं के लिये अलग अलग घोषणापत्र जारी किए थे। सभी लोकसभा क्षेत्रों के लिये जारी होने वाले घोषणापत्र को 'संकल्प पत्र' नाम दिया गया है। इसमें दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने के संकल्प को पूरा करने के लिये सभी सात सीटें आप को जिताने की जरुरत पर बल दिया जाएगा। साथ ही जनता को यह भी बताया जायेगा कि पूर्ण राज्य नहीं होने के कारण कानूनी बाधायें किस प्रकार से दिल्ली के विकास कार्यों को प्रभावित करती है। पूर्ण राज्य बनने पर इन कार्यों को अबाध रूप से किया जा सकेगा। घोषणापत्र बनाने के काम में जनता की भी भागीदारी सुनिश्चित की गई है। इसके लिए पार्टी की जिला और ब्लॉक इकाइयां स्थानीय लोगों से बात कर समस्याएं और समाधान का संकलन कर रही है। इन्हें वार्ड, विधानसभा और फिर लोकसभा क्षेत्र के स्तर पर एकत्र कर संकल्प पत्र में समयबद्ध समाधान की कार्ययोजना के रूप में पेश किया जाएगा। समझा जाता है कि आप नेतृत्व ने अगले सप्ताह घोषणापत्र जारी करने का लक्ष्य तय किया था लेकिन, कांग्रेस के साथ गठबंधन के मामले में जारी गतिरोध की वजह से फिलहाल घोषणापत्र जारी करने पर अंतिम फैसला किया जाना बाकी है।

लोकसभा चुनाव: 313 उम्मीदवारों ने किया नामांकन

गांधीनगर। गुजरात में लोकसभा के लिए नामांकन के अंतिम दिन 313 और विधान सभा के लिए 55 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किये। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी एस. मुरलीकृष्ण ने गुरुवार देर रात यहां जारी विज्ञप्ति में बताया कि नामांकन के अंतिम दिन चार अप्रैल को लोकसभा के लिए 313 पर्चा भरने वाले प्रमुख उम्मीदवारों में कच्छ (अजा सुरक्षित सीट) से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नरेश एन. महेश्वरी और वालजीभाई पी दनिया। बनासकांठा से भाजपा के परबतभाई एस पटेल और पंडया शशीकांत एम, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के परथीभाई जी भटोण। पाटन से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के ठाकोर जगदीश एम और ठाकोर चंदजी टी। महेसाणा से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पटेल शैलेश ए, भाजपा के पटेल शारदाबेन ए और पटेल अनिलभाई डी। साबरकांठा से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के ठाकोर राजेन्द्रसिंह एस और ठाकोर मेहुलबेन आर। गांधीनगर से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के चावडा चतुरसिंह जे और ठाकोर बणदेवजी सी। अहमदाबाद पूर्व से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के गीताबेन के पटेल और किरणकुमार पटेल, भाजपा के पटेल हसमुखभाई एस और पटेल परेशभाई एच। जामनगर से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कंडोरिया मुणुभाई आर और कंडोरिया भावेश ए। अमरेली से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के धानाणी वर्षाबेन पी। भावनगर से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के मनहरभाई एन पटेल और प्रविणभाई जी राठोड। आणंद से भाजपा के प्रतापसिंह एफ गोहेल। भरूच से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के शेरखान अ पठान और परिमलसिंह एन राणा।

लोकसभा चुनाव: गुजरात में 10 अप्रैल को दो जनसभाएं करेंगे प्रधानमंत्री मोदी

अहमदाबाद (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुजरात में दस अप्रैल को दो रैलियों को संबोधित करेंगे जहां 23 अप्रैल को चुनाव होने वाले हैं। राज्य भाजपा के अध्यक्ष जितू वाघानी ने कहा कि रैलियां सौराष्ट्र क्षेत्र के जूनागढ़ शहर और दक्षिण गुजरात के सोनगढ़ में होंगी। वाघानी ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''दस अप्रैल की सुबह प्रधानमंत्री मोदी जूनागढ़ शहर में सभा को संबोधित करेंगे। जूनागढ़ और पोरबंदर लोकसभा सीटों के लोग सभा में शिरकत करेंगे।'' वाघानी ने कहा कि प्रधानमंत्री दोपहर में तापी जिले के सोनगढ़ शहर में एक रैली को संबोधित करेंगे जो बारदोली लोकसभा सीट का हिस्सा है। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री सोनगढ़ की रैली में बारदोली के साथ ही नवसारी लोकसभा सीट के लोगों को संबोधित करेंगे।'' भाजपा ने 2014 के लोकसभा चुनावों में राज्य में 26 सीटों पर जीत दर्ज की थी।

बिजली का औसत हाजिर मूल्य 22 प्रतिशत गिरकर 3.12 रुपये प्रति यूनिट

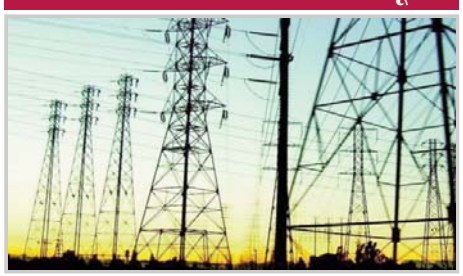

नई दिल्ली (एजेंसी)।

बिजली बोर्ड से लोगों को बडी राहत मिली है। पिछले महीने बिजली का औसत हाजिर मूल्य गिरावट के साथ 22 प्रतिशत से गिरकर 3.12 रुपये प्रति यूनिट पर आ गया। वर्ष 2018 में मार्च महीने भाव 4.02 रुपये प्रति यूनिट रहा था। भारतीय ऊर्जा सूचकांक (आईईएक्स) ने कहा कि मांग में कमी इसकी वजह रही। आईईएक्स का कहना है कि मार्च में एक दिन पहले की हाजिर (डीएमए) आपूर्ति की मात्रा 15 प्रतिशत गिरकर 335.6 करोड़ यूनिट रही। मार्च 2018 में यह 395.5 करोड़ यूनिट पर थी। बयान में कहा है कि मार्च 2019 में बिजली की बाजार क्लीयरिंग कीमत (एमसीपी) 22 प्रतिशत गिरकर 3.12 रुपये प्रति यूनिट पर आ गई। मार्च 2018 में यह 4.02 रुपये प्रति यूनिट थी। लेकिन मार्च और फरवरी 2019 की बाजार क्लीयरिंग कीमत 3.08 रुपये प्रति यूनिट से अधिक है।

नेशनल लोड डिस्पैच सेंटर की रिपोर्ट के मुताबिक 29 मार्च को अखिल भारतीय स्तर पर बिजली की मांग सबसे अधिक 169 गीगावाट रही। यह मार्च 2018 की सबसे अधिक मांग 160 गीगावाट से पांच प्रतिशत अधिक है।

राहुल गांधी को खुद के अलावा पूरी मानवजाति घृणा से भरी दिखती है : शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)।

घृणा पर राहुल गांधी की टिप्पणी पर चुटकी लेते हुए भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष को अब अपने अलावा पूरी मानवजाति घृणा से भरी दिखती है। शाह ने अपने ट्वीट में कहा, ' यह (राहुल का बयान) अहंकार और भ्रम का शानदार उदाहरण है।' गौरतलब है कि पुणे में छात्रों से संवाद के बाद राहुल गांधी ने कहा कि वह सभी से प्यार करते हैं, उनसे भी जो अस्थायी तौर पर घृणा में अंधे हो जाते हैं। राहुल ने ट्वीट किया, 'घृणा कायरता है, मुझे परवाह नहीं यदि पूरी दुनिया भी घृणा से भर जाए। मैं कायर नहीं हूं। मैं घृणा और क्रोध के पीछे नहीं छिप सकता।मैं घृणा और क्रोध के पीछे नहीं छिप सकता। मैं सभी से प्यार करता हूं।' राहुल पर चुटकी लेते हुए शाह ने अपना ट्वीट टैग करते हुए कहा, न 'यह अहंकार और भ्रम का शानदार उदाहरण है। अब राहुल गांधी को अपने अलावा पूरी मानवजाति घृणा से भरी दिखती है। जल्द ठीक हों युवराज।'

मोदी, शाह के लिए 'स्वयं प्रथम और देश आखिर' है : चंद्रबाबू

अमरावती (एजेंसी)।

तेदेपा अध्यक्ष एवं आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधने के लिए भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी के ब्लाग का उल्लेख किया और कहा कि उनके लिए 'सेल्फ फर्स्ट और कंट्री लास्ट' (स्वयं प्रथम और देश आखिर) है। भाजपा के पूर्व सहयोगी नायडू ने कहा, 'ब्लाग में आडवाणी की टिप्पणी उनकी पीड़ा प्रतिङ्क्षबबित करती है। उनके लिए देश प्रथम, पार्टी दूसरी, स्वयं अंत में है। मोदी के मामले में यह उल्टा है। मोदी और (अमित) शाह के लिए स्वयं प्रथम और देश आखिर है। आडवाणी और अटल बिहारी वाजपेयी के सिद्धांतों का भाजपा में कोई मूल्य नहीं है।' आडवाणी ने अपने ब्लाग में कहा कि उनकी पार्टी ने राजनीतिक रूप से असहमत होने वालों को कभी 'राष्ट्र विरोधी' या 'शत्रु' नहीं माना। आडवाणी की टिप्पणी महत्व रखती है क्योंकि मोदी और भाजपा अध्यक्ष अमित शाह सहित शीर्ष भाजपा नेता बालाकोट हवाई हमले के बाद विपक्षी दलों पर 'राष्ट्र विरोधी' होने का आरोप लगाते हुए निशाना साधत रहे हैं। नायडू ने आंबेडकर की प्रतिमा के सामने धरने को संबोधित करते हुए और तेदेपा, द्रमुक, सपा, बसपा, कांग्रेस, जदएस और आप के कुछ नेताओं के खिलाफ आयकर विभाग के छापों की निंदा करते हुए कहा कि ऐसे छापे एक योजनाबद्ध तरीके से मारे जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि मोदी शासन में सभी तरह की आजादी गायब हो गई है। तेदेपा प्रमुख ने कहा, 'यह फासीवादी शासन है। अशांति, असुरक्षा और भय ने सभी वर्गों को जकड़ रखा है।' उन्होंने कहा कि लोकतंत्र और संविधान का संरक्षण करने की जरूरत है। उन्होंने गत कुछ दिनों के दौरान तेदेपा के कुछ नेताओं पर आयकर के छापों का उल्लेख करते हुए विभाग के अधिकारियों को दिल्ली में 'सत्ताधारी पार्टी के निर्देश' के अनुसार कार्य नहीं करने की चेतावनी दी।

उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी दी, 'यदि आपने ऐसे कृत्यों को जारी रखा तो आपको भारी कीमत चुकानी होगी।' उन्होंने साथ ही यह भी कहा कि अधिकारी यदि कानून के तहत कार्य करें तो नेता सहयोग करेंगे। नायडू ने कहा, 'ये छापे तेदेपा के खिलाफ भाजपा,वाईएसआर कांग्रेस, टीआरएस के षड्यंत्र का हिस्सा हैं।

अहमद पटेल ने पीएम पर साधा निशाना, कहा-गटर पॉलिटिक्स करते हैं मोदी

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अहमद पटेल ने अगस्ता वेस्टलैंड हेलीकॉप्टर सौदे मामले से जुड़े पूरक आरोप पत्र के संदर्भ में शुक्रवार को कहा कि उनके खिलाफ लगाए जा रहे आरोप बेबुनियाद और हास्स्यास्पद हैं। पटेल ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पर निशाना साधते हुए यह भी कहा कि ऐसा लगता है कि यह जांच एजेंसी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का हिस्सा बन गई है। अहमद पटेल ने प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी को सब जानते हैं। वो गटर लेवल की पॉलिटिक्स करते हैं, जैसे किसी गांव का मुखिया बो रहा हो, जैसे देहात में मुनिसिपलिटी की पॉलिटिक्स कर रहा हो। उन्होंने कहा कि अगर हम दीषी हैं तो हम पर कार्रवाई करें। हमें फांसी पे लटका दें। पटेल ने एक कहावत का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि 'चोरों को सब नजर आते हैं चोर'। अभी चुनावी मौसम में तो मुद्दे की बौछार है। इससे पहले पटेल ने ट्वीट कर कहा, ''चुनावों का मौसम है,सो जुमलों की बौछार शुरू हो गयी है! बेबुनियाद और हास्यास्पद आरोपों की बारिश हो रही है! हमें न्यायपालिका पर पूरा विश्वास है कि सच्चाई कभी छुप नहीं सकती; दूध का दूध और पानी का पानी हो कर रहेगा! लगता है कि ईडी अब राजग का अहम हिस्सा बन चुकी है, लेकिन ऐसी तिकड़मबाजी से काम नहीं चलेगा।'' उन्होंने कहा, ''आप मुद्दों से बच नहीं सकते। जनता जनार्दन अब इन सवालों का जवाब चाहती है- युवा क्यों बेरोजगार हैं ? किसान क्यों परेशान हैं ? व्यापारी क्यों बेहाल हैं ?'' कांग्रेस के कोषाध्यक्ष ने दावा किया, '' मोदी सरकार की इन सारी हरकतों में हार की बौखलाहट साफ झलकती है! चौकीदार और उनके शागिर्दों ने बिना किसी सबूत ग़लत जगह हाथ डाला है। नोटेबंदी और राफेल के बिचौलिए अब बच नहीं पाएँगे।जनता सबक़ सिखा के रहेगी । वैसे यह कहावत आपने सुनी ही होगी कि एक चोर को हर कोई चोर ही नजर आता है।'' गौरतलब है कि ईडी द्वारा तैयार पूरक आरोप पत्र में 'एपी' शब्द के कथित उल्लेख को लेकर प्रधानमंत्री मोदी और वित्त मंत्री अरुण जेटली ने कांग्रेस एवं पटेल पर निशाना साधा। दरअसल, ईडी ने बृहस्पतिवार को दिल्ली की एक अदालत से कहा कि अगस्ता वेस्टलैंड वीवीआईपी हेलीकॉप्टर सौदे मामले में गिरफ्तार कथित बिचौलिये क्रिश्चियन मिशेल और अन्य आरोपियों को सौदे में रिश्वत के तौर पर 4. 2 करोड़ यूरो मिले थे।

जांच एजेंसी ने 3,000 पृष्ठों के अपने पूरक आरोपपत्र में मिशेल के कथित कारोबारी साझेदार डेविड सिम्स और उनके मालिकाना हक वाली दो कंपनियों - ग्लोबल सिंवसेज एफ जेड ई और ग्लोबल ट्रेडर्स - को भी नामजद किया है।

संपादकीय

आशंकाएं और तैयारियां

कठिन समय फूंक-फूंककर कदम बढ़ाने का वक्त होता है। अपनी मौद्रिक नीति तैयार करते वक्त भारतीय रिजर्व बैंक ने इस नीति वाक्य का पूरा-पूरा ध्यान रखा। रिजर्व बैंक की यह नीति उस समय आई है, जब अर्थव्यवस्था के मामले में दम साधकर बैठने का मौका है। तमाम संकेत बता रहे हैं कि मंदी एक बार फिर अमेरिका के दरवाजे पर दस्तक दे सकती है। अर्थव्यवस्था के माहिर इस आशंका को लेकर लगभग एकमत हैं, मतभेद सिर्फ इस बात पर है कि यह मंदी अभी कितनी दूर है और इसकी गहराई कितनी होने वाली है। फिर इस आग में घी डालने के लिए ब्रेग्जिट का मुद्दा भी तैयार बैठा है। ब्रेग्जिट का झटका तो शायद चंद रोज दूर है। चीन की विकास दर भी लुढ़ककर छह फीसदी तक पहुंच गई है और अगले एकाध साल में इसमें सुधार की कोई उम्मीद नहीं दिख रही। अगर भारत की बात करें, तो यहां स्थिति फिलहाल उतनी बुरी नहीं है, लेकिन यह तय है कि दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं पर तुषारापात हुआ, तो उसकी सिहरन यहां भी महसूस होगी। वैसे एशियाई विकास बैंक जैसी कई अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने भारतीय विकास दर में कमी की आशंका जताकर चेतावनी तो जारी कर ही दी है। यह भी सच है कि बावजूद इस सबके भारतीय अर्थव्यवस्था अभी भी दुनिया की सबसे तेजी से विकास करती अर्थव्यवस्थाओं में बनी रहेगी। यहां एक बात यह भी ध्यान रखने वाली है कि जिस दिन यह नीति जारी हुई, उस दिन अखबारों की एक प्रमुख खबर यह भी थी कि इस साल मानसून के कुछ कमजोर रहने की आशंका है। रिजर्व बैंक की ताजा मौद्रिक नीति की सबसे बड़ी खासियत यही है कि उसने न सिर्फ चिंताओं का ध्यान रखा है, बल्कि इसके लिहाज से सुरक्षा कवच तैयार करने की कोशिश भी की है। नई मौद्रिक नीति में सबसे ज्यादा ध्यान आकर्षित करने वाली चीज है रैपो दरों में 25 अंक या दूसरे शब्दों में कहें, तो 0.25 फीसदी की कटौती। ऐसी कटौती आम चर्चा का विषय इसलिए बन जाती है, क्योंकि यह मामला सीधे मध्य वर्ग से जुड़ता है। इससे घर और वाहन आदि पर लिए गए कर्ज सस्ते हो जाते हैं। हालांकि पूरी अर्थव्यवस्था के लिहाज से देखें, तो इसके अर्थ काफी बड़े भी हो सकते हैं। इससे उद्योगों को सस्ता कर्ज मिलता है, जिससे नए उद्योग लगने का रास्ता थोड़ा और खुलता है। इसलिए ज्यादातर उद्योग संगठनों ने इसकी मांग भी की थी। हालांकि कुछ लोगों को उम्मीद थी कि रिजर्व बैंक रैपो दर को 0.5 फीसदी तक नीचे लाने का बड़ा फैसला कर सकता है, लेकिन बैंक ने कठिन समय में इतनी बड़ी दरियादिली न दिखाना ही बेहतर समझा। रिजर्व बैंक की चिंता सिर्फ विकास दर पर मंडराता खतरा नहीं है, उसे यह भी देखना है कि मुद्रास्फीति, यानी महंगाई न बढ़े। महंगाई पर नियंत्रण को उसने अपनी मुख्य चिंताओं में बनाए रखा है। बावजूद इसके कि मुद्रास्फीति की दर अभी चार फीसदी के लक्ष्य के बहुत नीचे बनी हुई है। रिजर्व बैंक की इस चिंता को आसानी से समझा भी जा सकता है। इस साल के मानसून में अगर थोड़ी सी भी कसर रह गई, तो खाद्य पदार्थों की महंगाई अचानक तेजी से बढ़ सकती है। विकास दर नीची रहे और खाद्य पदार्थों की महंगाई तेजी से बढ़े, तो आम जनता की जिंदगी के लिए इससे दुखदायी कुछ नहीं होता। मौद्रिक नीति बता रही है कि रिजर्व बैंक किसी भी आशंका के लिए तैयार है।

ट्वीट

लोकतंत्र

बीजेपी व आरएसएस के लोग भारत को मोदी व मोदी को भारत बताने की वैसी ही गलती करके देश व लोकतंत्र को अपमानित करने का काम कर रहे हैं, जैसीकांग्रेस इन्दिरा को इण्डिया व इण्डिया को इन्दिरा बताकर पहले कर चुकी है।

मायावती, बसपा सुप्रीमो

नाटो सदस्यों में भरोसे का संकट

पुष्परंजन

उत्तर अटलांटिक सहयोग संगठन (नाटो) के सत्तर साल 4 अप्रैल, 2019 को पूरे हो गये। बारह यूरोपीय देशों और अमेरिका ने मिलकर नाटो की बुनियाद रखी थी। आज इसकी सदस्य संख्या 29 है, जिसमें मुख्यतः यूरोप और उत्तरी अमेरिका के देश शामिल हैं। सबसे ताज़ा सदस्य मोंटेनिग्रो बना है, जिसने 5 जून, 2017 को मेंबरशिप ली है। सत्तर साल के सफरनामे के बाद मान लिया गया है कि नाटो दुनिया का सबसे सफल सैन्य संगठन है। मगर, पिछले कुछ महीनों से ज़ेरे बहस है कि यह संगठन अपने सौ साल पूरे कर पायेगा या नहीं। ट्रंप ने जब से सदस्य देशों पर आर्थिक सहयोग बढ़ाने का दबाव बनाया है, अटकलें भी उसके साथ तेज़ हुई हैं। यों डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में आने से पहले 2014 में सदस्य देशों ने तय कर लिया था कि अपने जीडीपी का दो फीसदी नाटो को देंगे। इस लक्ष्य को 2024 तक पूरा करना है। अप्रैल 2018 में जर्मन चांसलर अंगेला मैर्कल अमेरिका गईं। इस अवसर पर ट्रंप ने नाटो में जर्मन अनुदान के सवाल को मुखर कर दिया। ट्रंप ने कहा कि जर्मनी नाटो को अपने जीडीपी का एक प्रतिशत देता है, जबकि अमेरिका 4.2 प्रतिशत, जो यह सही नहीं है। ये तो ट्रंप के अपने तर्क थे, जिसे वे आगे बढ़ाकर अमेरिकी करदाताओं से सहानुभूति हासिल कर रहे थे। मगर, एक सच यह भी है कि इस सैन्य संगठन का सर्वाधिक इस्तेमाल अमेरिका ने अपने हितों के लिए किया है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण अफगानिस्तान है, जहां 9/11 के बाद नाटो के सभी सदस्यों का इकट्ठे आना पड़ा। नाटो के बूते अमेरिका कई देशों की घरेलू राजनीति में दखल दे चुका है। ट्रंप की हेठी देखिये, 2018 में उन्होंने यहां तक कह दिया कि जो नाटो में सबसे अधिक पैसा देता है, उसके लिए यह संगठन जोखिम और जिम्मेदारी उठाये। हम मोंटेनिग्रो के लिए थोड़े न तीसरा विश्वयुद्ध लड़ेंगे।

मतलब, इस क्लब के जो कमज़ोर देश हैं, गारंटी नहीं कि उनके लिए नाटो लड़ेगा ही। उदाहरण के लिए एस्तोनिया है। आज की तारीख़ में वह अपने जीडीपी का दो प्रतिशत नाटो को दे रहा है। बावजूद इसके, एस्तोनिया से किसी मुद्दे पर राय ली जाती है, ऐसा कोई उदाहरण देखने को नहीं मिलता। 1991 में सोवियत संघ के विघटन के बाद एस्तोनिया स्वतंत्र देश बना। नर्वा उसका सीमावर्ती शहर है, जिसे लेकर एस्तोनिया आशंकित रहता है कि पुतिन उसे हड़प न लें। वर्ष 2014 में पूर्वी यूक्रेन के क्रीमिया को रूस ने जिस तरह से कब्ज़े में ले लिया, एस्तोनिया में यह डर बैठ गया कि अब नर्वा की बारी है। ट्रंप जैसे नेता का कोई भरोसा भी नहीं रहता कि कब क्या बोल दें। वर्ष 2018 की जी-सात शिखर बैठक में जिस तरह ट्रंप बोल गये कि क्रीमिया में रूसी बोलने वाले बहुसंख्यक हैं, इसलिए वह रूस का हिस्सा हो भी जाता है तो इसमें बुराई क्या है। एस्तोनिया के सीमाई शहर नर्वा में भी रूसी बोलने वालों की संख्या 80 फीसदी है। नाटो ने इस हालात का नाम 'नर्वा सिनेरियो' रखा है। एस्तोनिया की राष्ट्रपति क्रिस्टी कालजुलेद को भरोसा नहीं कि डोनाल्ड ट्रंप ने क्रीमिया जैसा कोई स्टैंड ले लिया तो क्या होगा। उन्होंने इससे मुकाबले के लिए नर्वा में सांस्कृतिक-भाषाई क्रांति लाने की कोशिश आरंभ कर दी है। जो नागरिक रूसी नहीं बोलना चाहते, वैसे लोगों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। विचित्र यह है कि रूस पूर्वी यूरोप में नाटो के प्रभाव को देखते हुए अपनी सैन्य तैयारियों का विस्तार कर रहा है। सिर्फ़ एस्तोनिया नहीं, रूस की सीमा से लगा लातविया दूसरा उदाहरण है, जिसने अपने रक्षा बजट में 42 फीसदी का इजाफा किया है। उसका पड़ोसी लिथुआनिया 24 प्रतिशत रक्षा बजट बढ़ाकर इसकी तैयारी में लग गया कि कभी रूस ने हमला किया तो बचने के लिए नाटो से गुहार न लगानी पड़े। इससे यही मायने निकालें कि नाटो सदस्यों के बीच भरोसे का भूस्खलन हो रहा है। इसमें दिक्कत की बात यह है कि जिन सदस्य देशों के पास अपनी खुद की आर्मी नहीं है, उनका क्या होगा? उदाहरण के लिए आइसलैंड है। यह देश रक्षा के मामले में पूर्णतः नाटो पर निर्भर है। आंतरिक सुरक्षा पर आइसलैंड 0.1 प्रतिशत ख़र्च करता है। कुछ ऐसे सदस्य देश भी हैं, जिनके पास किसी हमले को रोकने के लिए बड़ी आर्मी नहीं है। ऐसे सदस्य देश आपात स्थिति में क्या करेंगे, यह निश्चित रूप से चिंता का विषय है। यूरोप के तीन ऐसे देश हैं जो कमज़ोर आर्थिक स्थिति के बावजूद दो प्रतिशत से अधिक अनुदान नाटो को दे रहे हैं। इनमें ग्रीस 2.36, एस्तोनिया 2.18, पोलैंड 2.01 प्रतिशत आर्थिक मदद दे रहे हैं। ब्रिटेन आर्थिक रूप से संपन्न है मगर उसका योगदान 2.17 फीसदी है। फ्रांस 1.79 प्रतिशत, तुर्की 1.69, इटली 1.11 और कनाडा द्वारा 1.02 के योगदान से यही लग रहा है कि अपरोक्ष रूप से इनका बोझ अमेरिका ढो रहा है। नाटो के खुद का मिलिट्री बजट 1.4 अरब डॉलर का है। यह पैसा रणनीति बनाने, रिसर्च और ट्रेनिंग पर खर्च हो जाता है। 2017 में नाटो ने कुल खर्च का आकलन किया तो यह 921 अरब डॉलर बनता है। इससे अलग सिविलियन बजट पर सवा पच्चीस अरब डॉलर का अतिरिक्त खर्च है। नाटो अब एक ऐसा सफेद हाथी साबित हो रहा है, जिसे पालना सदस्य देशों के बूते में नहीं लगता है। इसे भांप कर ही, कुछ सदस्यों ने अपने देश के रक्षा बजट को बढ़ाना शुरू किया है ताकि संकट के समय नाटो पर आश्रित न रहा जाये। इस समय फ्रंट लाइन पर अंगेला मैर्कल और ट्रंप हैं, जिनकी आपसी नाइत्तेफाक़ी नाटो को प्रभावित कर रही है। मैर्कल की सरकार में सहयोगी सोशल डेमोक्रेट (एसपीडी) को जर्मन जीडीपी दो फीसदी देने पर आपत्ति है। संसद में इस सवाल पर एसपीडी मैर्कल के साथ खड़ी नहीं दिखी। इसे लेकर ट्रंप को लगता है कि जर्मनी के भरोसे नाटो को चलाना मुश्किल है। क्या संयोग है, 70 साल पहले नाटो के पहले सेक्रेटरी जनरल हैस्टिंग्स इस्मे ने जर्मनी से सावधान होने को कहा था। इस ब्रिटिश डिप्लोमेट के बयान को लोग उद्धृत करते हैं, 'नाटो का मकसद सोवियत संघ को बाहर करना, अमेरिका को अंदर करना और जर्मनी को दबा कर रखना है।' इस समय अमेरिकी क्लब द्वारा सत्तर साल पहले दिये मंत्र को अमल में लाने का प्रयास हो रहा है। जर्मनी को दबा कर रखो तभी अमेरिका अपनी दादागिरी चला सकता है। ऐसी भावना का विस्तार होने पर मुमकिन है, यूरोप अपनी सुरक्षा का इंतज़ाम खुद करे!

लेखक ईयू-एशिया न्यूज़ के नई दिल्ली संपादक हैं।

ज्ञान गंगा

पुरुषत्व और स्त्रीत्व

जग्गी वासुदेव/ पुरुषत्व और स्त्रीत्व, ये प्रकृति के दो मूल गुण हैं। ब्रह्माण्ड का भौतिक रूप दो ध्रुवों या विपरीत तत्वों के बीच होता है, और इन ध्रुवों का एक आयाम पुरुषत्व एवं स्त्रीत्व है। पुरु षत्व और स्त्रीत्व से मेरा मतलब पुरुष और स्त्री से नहीं है। आप एक स्त्री हो सकती हैं पर अपने आप में, आप अधिकांश पुरु षों की तुलना में ज्यादा पुरु षत्व वाली हो सकती हैं। आप एक पुरु ष हो सकते हैं पर अधिकांश स्त्रियों के मुकाबले आप में स्त्रीत्व कहीं ज्यादा हो सकता है। आज लोगों की एक पीढ़ी के रूप में हमारे जीवनयापन की प्रक्रिया इतनी अच्छी तरह से संगठित है, जितनी पहले कभी नहीं थी। लेकिन आज भी अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे बड़ी ताकत है, और एक बार फिर से हम उसी जंगल के नियम की ओर आ गए हैं-सबसे अधिक काबिल का ही जिंदा बचे रहना। जब किसी के अंदर जीवित रहने या जीवनयापन का भाव बहुत मजबूत होता है, तो पुरु षत्व बहुत ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि बात बचे रहने की है। इसलिए कि बहुत लंबे काल तक बचे रहना ही ज्यादा महत्वपूर्ण था, इसलिए मानव जाति ने पुरु षत्व को ज्यादा महत्वपूर्ण माना। स्त्रीत्व अपने सही स्थान पर तभी आ सकता है, जब समाज ने अपने जीवनयापन को अच्छी तरह से संभाल लिया हो और जब एक स्थिर संस्कृति तथा मानव सभ्यता के एक खास स्तर को प्राप्त कर लिया हो। आज लोगों की एक पीढ़ी के रूप में हमारे जीवनयापन की प्रक्रिया इतनी अच्छी तरह से संगठित है, जितनी पहले कभी नहीं थी। लेकिन आज भी अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे बड़ी ताकत है और एक बार फिर से हम उसी जंगल के नियम की ओर आ गए हैं- सबसे अधिक काबिल का ही जिंदा बचे रहना। पुरु षत्व के गुण तथा आदर्श आजकल ज्यादा मजबूत हैं। आम तौर पर स्त्री प्रकृति को कमजोरी के रूप में देखा जाता है। लेकिन अगर आप एक संपूर्ण मनुष्य बनना चाहते हैं तो यह बहुत जरूरी है कि आप के अंदर, पुरु षत्व एवं स्त्रीत्व, दोनों ही समान अनुपात में हों। अगर संगीत, कलाएं, प्रेम तथा कोमलता और करु णा को उतना ही महत्त्व दिया जाए जितना अर्थव्यवस्था को दिया जाता है, तो स्त्रीत्व फलेगा-फूलेगा। अगर ऐसा नहीं होता तो दुनिया में स्त्रीत्व के लिए कोई स्थान नहीं होगा। आप एक स्त्री होंगी पर आप में पुरु ष-प्रकृति के गुण ज्यादा होंगे।

दमदार दिलेरी के दमखम से शौर्य चक्र

चर्चित चेहरा/ अरुण नैथानी

आज दुनिया में यदि आतंक का खौफ है और आतंकवादी अपने कायरतापूर्ण कृत्यों से सभ्य समाज को डराने में कामयाब हो जाते हैं तो उसकी सबसे बड़ी वजह लोगों का आत्मसमर्पण है। या यूं कहें कायराना आत्मसमर्पण कि शायद आतंकी जान बख्श ही दें। प्रतिरोध की हर समझभरी कोशिश बड़े-बड़े आतंकियों को डिगा कर दुम दबाकर भागने को मजबूर कर देती है। आम नागरिक से ज्यादा भय तो आतंकी को होता है क्योंकि वह न्याय, सत्य, कानून व सभ्य समाज के विरुद्ध काम कर रहा होता है।

यह सीख हमें एक चौदह साल के किशोर ने दी। भारत के अभिन्न हिस्से कश्मीर के इरफान ने। आतंक का गढ़ बने शोपियां जिले में। वह शेर की तरह दहाड़ा और अपने परिवार को बचाया। हालांकि उसके पिता आतंकियों के कायराना हमले का शिकार बन गये मगर शेष परिवार बच गया। इतना ही नहीं, उसने आतंकियों की एके-47 छीनकर उस आतंकवादी को मार गिराया, जिसने उसके पिता की हत्या की थी। उसके बाद बाकी आतंकवादी अपने साथी का शव छोड़कर भाग गये। एक चौदह साल के किशोर का पूरी दुनिया को संदेश है कि आतंकवादी भले ही कितने ताकतवर क्यों न हों, उनके हथियार कितने ही घातक क्यों न हों, हिम्मत व अक्ल से किये गये मुकाबले में वे दुम दबाकर भाग जाते हैं। संदेश साफ है कि आतंकियों के आगे मिमियाने के बजाय मुकाबला करो। इस किशोर के अदम्य साहस को देश ने नमन किया है। इस बार वीरता के लिये दिये जाने वाले सम्मानों में इरफान रमजान शेख का नाम था। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने सैन्य व नागरिकों की असाधारण वीरता के लिये दिये जाने वाले शौर्य चक्र से इरफान को सम्मानित किया। दरअसल, शोपियां जिले के होमून गांव के मोहम्मद रमजान शेख लोकतांत्रिक मूल्यों को समर्पित प्रगतिशील सोच के व्यक्ति थे। घाटी में अमन, बच्चों को तालीम और लोगों को सम्मान दिलवाना उनका मकसद था। वे महबूबा मुफ्ती की पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के हलका प्रधान थे। इससे पहले वे गांव के सरपंच रह चुके थे। राष्ट्रीयता से प्रेरित रमजान शेख ने पंचायत चुनावों में भाग लिया था जो चरमपंथियों की आंख में खटक रहा था। वे वर्ष 2013 में किये हमले में बाल-बाल बचे थे। फिर भी उन्हें आतंकवादियों की धमकी लगातार मिल रही थी। रमजान शेख को गांव के लोग खासा सम्मान देते थे और उनकी बात सुनी जाती थी जो आतंकियों को अखरती थी। यह वाकया 16 अक्तूबर, 2017 का है। सूर्यास्त हो चुका था। रमजान शेख बड़े बेटे इरफान और उसके तीन छोटे भाई-बहनों के साथ घर पर टीवी देख रहे थे। तभी फोन आया कि आपके घर के बाहर मेहमान इंतजार कर रहे हैं। इरफान ने दरवाजा खोला तो देखा कि तीन आतंकवादी एके-47 और ग्रेनेडों के साथ खड़े हैं। इरफान ने अपने परिवार की रक्षा के लिये अदम्य साहस दिखाया।

वह आतंकवादियों से उलझ गया। उस समय इरफान की उम्र महज चौदह साल थी। इसी बीच बाहर शोर सुनकर रमजान शेख बाहर आ गये। जिन्हें बाल पकड़कर जमीन पर पटककर आतंकियों ने गोलियों से छलनी कर दिया। इरफान पिता पर हुआ हमला बर्दाश्त न कर सका। उसने एक आतंकवादी की एके-47 छीनकर पिता को गोली मारने वाले आतंकी को उड़ा दिया। बाकी आतंकी अपने साथी को मरता देख वहां से भाग खड़े हुए।

इरफान को मलाल था कि वह अपने पिता को नहीं बचा सका, मगर उसने बाकी परिवार को आतंकवादियों का शिकार होने से बचा लिया था।

शोपियां में आतंकवादियों का इतना खौफ था कि लोग व रिश्तेदार उसके पिता के जनाजे में शामिल तक न हुए। इरफान व चाचा का परिवार घर से निकलकर पास के इलाके में छिप गया। मारा गया आतंकवादी शौकत पास के गांव का था। उसका शव लेने आयी भीड़ और आतंकियों ने इरफान के घर को आग लगा दी। लेकिन गांव के लोग इरफान के साहस को याद करते हैं कि उस घटना के बाद आतंकवादियों ने उनके गांव की तरफ आने का साहस नहीं किया। एक चौदह साल के निहत्थे जाबांज इरफान ने सशस्त्र आतंकियों को भयभीत होने को मजबूर कर दिया। आतंक के गढ़ में रहकर आतंकियों के लिये खौफ का प्रतीक बनने वाले इरफान को दो साल बाद राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने मार्च के दूसरे पखवाड़े में राष्ट्रपति भवन में आयोजित सम्मान समारोह में शौर्य चक्र देकर सम्मानित किया। यह सम्मान पाने वाले इरफान कश्मीर के पहले व्यक्ति हैं। फिलहाल दसवीं में पढ़ रहा इरफान भविष्य में आईपीएस अधिकारी बनकर आतंकियों को सबक सिखाना चाहता है। निःसंदेह उसने छोटी-सी उम्र में जिस बहादुरी व परिपक्वता का प्रदर्शन किया, वह नयी पीढ़ी के लिये अनुकरणीय है। भारत सरकार का भी दायित्व है कि इरफान जैसी सोच वाले कश्मीरी युवाओं को संरक्षण दे ताकि आतंकवाद से लड़ाई के खिलाफ कश्मीर में माहौल बन सके।

आज का राशिफल

मेष पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती हैं।

मिथुन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धन हानि की संभावना है। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

कन्या व्यावसायिक योजना सफल होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन हानि की संभावना है। व्यर्थ क विवाद में न पड़ें।

तुला व्यावसायिक योजना सफल होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिय मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिय मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मकर राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ के विवाद रहेंगे।

कुम्भ आर्थिक उन्नति के योग हैं। मांगलिक कार्यों में हिस्सेदारी लेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। रोजी रोजगार की दिशा में उन्नति होगी।

मीन व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के कारण तनाव हो सकता है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। धन लाभ की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

धर्म

आदिशक्ति बिना कुछ भी पूर्ण नहीं

आदिशक्ति, माँ जगदम्बे, जगतजननी शक्तिस्वरूपा माँ दुर्गा की महिला का उल्लेख वेदों और पुराणों में है। आदिशक्ति के बिना कुछ भी पूर्ण नहीं है। भगवान शिव के साथ वह गौरी अथवा शक्ति के रूप में हैं तो, भगवान विष्णु के साथ महालक्ष्मी के रूप में हैं तो श्री राम के साथ माता सीता के रूप में। कहा जाता है कि शक्ति के बिना शिव शवत है। सीताराम, राधाकृष्ण का संबोधन भी आदिशक्ति के साथ किया जाता है। वेद, पुराणों, उपनिषदों में भी आसुरी शक्ति के नाश के लिए देवताओं का दैवीय शक्ति माता की शरण में पहुंचने का उल्लेख है। साल में दो नवरात्र पड़ती हैं, एक चैत्र में और दूसरी आश्विन कार्तिक में। ऋग्वेद में देवी की महिमा का अनूठा वर्णन मिलता है। देवी ने कहा है, संपूर्ण जगत की अधीश्वरी अपने उपासकों को धन की प्राप्ति कराने वाली, साक्षात्कार करने योग्य परब्रह्म को अपने से अभिन्न रूप में जानने वाली तथा देवताओं में प्रधान हूं। प्रपंच रूप से अनेक भावों में स्थित हूं, अनेक स्थानों पर रहने वाले देवता जहां कहीं जो कुछ भी करते हैं, वह सब मेरे लिए करते हैं। मैं ही भोक्ता शक्ति हूं। जो अन्न खाता है, वह मेरी शक्ति से ही खाता है। कार्य करने में सामर्थ्य मेरी शक्ति का फल है। जो यह नहीं जान पाते, वे विपन्नता भुगतते हैं। मैं जिसकी रक्षा करना चाहती हूं, उसे सशक्त बना देती हूं। उसे क्षमा मेधा शक्ति प्रदान करती हूं। ब्रह्म देवी असुरों का वध करने के लिए रुद्र के धनुष को चढ़ाती हूं। शरणागत की रक्षा के लिए मैं युक्ति करती हूं। आकाश, पृथ्वी, जल में व्याप्त हूं, समस्त भुवन में व्याप्त हूं।

देवी को 108 नामों से संबोधित किया जाता है। सती, साध्वी, भवभीता, भवानी, भवमोचनी, आर्या, दुर्गा, जया, आद्या, त्रिनेत्रा, शूलधारिणी, पिनाकधारिणी, चित्रा, चंद्रघंटा, महातपा, मन, बुद्धि, अहंकारा, चित्ररुपा, चिता, चिती, सर्वमंत्रमयी, सत्ता, सत्यानंद स्वरूपिणी, अनंता, भाविनी, भाव्या, भव्या, रुमव्या, सदापति, शाम्भवी, देवमाता, चिंता, रत्नप्रिया, सर्वविधा, दक्षकन्या, दक्षयज्ञ, विनाशनी, अपर्णा, अनेकवर्ण, पाटला, पाटलावती, पहांबर पराधीना, कलामंजीर रंगिनी, अमेय विक्रमा, क्रूरा, सुंदरी, सुरसुंदरी, वनदुर्गा, मातंगी, मतंग, मुनि पूजिता, ब्राह्मी, माहेश्वरी, ऐन्द्री, कौमारी, वैष्णवी, चामुंडा, वाराही, लक्ष्मी, पुरुषाकृति, बहुला, बहुलप्रेमी, सर्ववाहन वाहना, निशुंभशुंभहननी, महिषासुर मर्दिनी, मधुकैटभ, चंडमुंड विनाशनी, सर्वअसुर विनाशा, सर्वदानव धातिनी, सत्या, सर्वस्य धारिणी, अनेकशस्त्रहस्ता, अनेकाशस्त्रधारिणी, कुमारी, एककन्या, कैशोरी, युवती, यति, अप्रौढ़ा, प्रौढ़ा, वृद्धमाता, बलप्रदा, महोदरी, मुक्तकेशी, घोररूपा, महाबला, अग्निवाला, रौद्रमुखी, कालरात्रि, तपस्विनी, नारायणी, भद्रकाली, विष्णुमाया, जलोधरी, शिवदूती, कराली, अनंता, परमेश्वरी, कान्यायनी, सावित्री, प्रत्यक्षा, ब्रह्मवादिनी और सर्वशास्त्रमयी के सम्बोधनों के साथ मातारानी को पुकारा जाता है।

श्री दुर्गा सप्तशती में तो माँ दुर्गा महिमा का व्यापक वर्णन हैं। दुर्गा सप्तशती के पाठ से अभीष्ठ और मनोवांछित फल की कामना की जाती है। और विश्वासपूर्वक पाठ करने से फल प्राप्त होता है। दुर्गा सप्तशती के प्रथम अध्याय में मधुकैटभ महासुर के वध की कथा है, जिसमें योग माया, योग निद्रा की शक्ति का उल्लेख मिलता है। ब्रह्म, विष्णु की नाभि कमल से उत्पन्न होते हैं। विष्णु शैया मग्न है। मुधकेटभ महासुर घात लगाये ब्रह्म को ग्रास बनाना चाहता है। तब ब्रह्म देवी की स्तुति करते हैं। योग माया विष्णु को निद्रा से जगा देती है। मधुकैटभ और विष्णु भगवान के बीच भयंकर युद्ध होता है। मधुकैटभ पर योग माया का प्रभाव पड़ता है और वह विष्णु की शक्ति पर मोहित होकर उनसे वर मांगने को कहता है। मधुकैटभ वरदान में अपनी मृत्यु स्वीकार करते है और विष्णु भगवान उसे जंघा पर सुला कर उसका वध करके ब्रह्म को जीवन प्रदान करते हैं।

श्री दुर्गा सप्तशती के दूसरे अध्याय में महिषासुर की सेना के वध की कथा है। देवासुर संग्राम में जब यम कुबेर दिगपाल, इंद्र युद्ध से भाग गए। पराजय के बाद देवतागण विष्णु की शरण में सभी पहुंचते हैं। ब्रह्म, विष्णु, महेश से मिल कर महाशक्ति दुर्गा का प्रादुर्भाव हुआ। तृतीय अध्याय में महिषासुर वध का वृतांत है। महिष मृत्यु का प्रतीक है। चौथे अध्याय में शतु विनाश और शक्ति साधकों के रक्षण की कथा स्तुति के रूप में है। इसका शुक्रादि स्तुति के नाम से भक्त पारायण करते हैं। पंचम अध्याय में असुरो के दूत से देवी के संवाद की कथा है कि शक्ति का परिचय देना होगा। अहंकार ही शुंभ दैत्य है तो क्रोध निशुंभ दैत्य है। कामध्त की बीमारी है। मद मत्सर धूम विलोचन दैत्य है। पांचवें अध्याय में कथा है कि शुंभ-निशुंभ ने देवों का वैभव छीन लिया। महाशक्ति का आह्वान किया गया, तब जगदंबा हिमालय पर प्रकट हुई। असुर दूतों ने यह सौंदर्य देख शुंभ से प्रशंसा की और शुंभ ने उस सौंदर्य मूर्ति को लाने को कहा। देवी ने दूत का मद मर्दन किया। छटवें अध्याय में धूम विलोचन के वध की कथा है। धूम विलोचन को महाशक्ति ने समाप्त कर दिया। सप्तम अध्याय में चंड-मुंड का संहार चंडी ने किया है। चंड-मुंड को काली ने खेल खेल में निगल लिया और चामुंडा के रूप में संबोधित हुई है। आठवें अध्याय में रक्तबीज की कथा है। नवम अध्याय में देवी ने शुंभ-निशुंभ का वध किया है। दसवां अध्याय विजय दशमी के रूप में व्यक्त है। देवता, इंद्र अपना आसन पुनः प्राप्त कर लेते हैं और देवी की प्रार्थना करते हैं। एकादश अध्याय में देवता गण देवी की प्रार्थना करते हैं और देवी जी उन्हें वरदान देकर तृप्त कर देती हैं। देवी द्वारा महादैत्यों, असुरों के मारे जाने के बाद इंद्र सहित सभी देवता देवी की महिमा की आराधना करते हैं। देवी, देवताओं से वरदान मांगने को कहती हैं। देवता विनम्र भाव से अभयदान मांगते हैं। देवी वर देती है और कहती है कि वैश्वस्त मन्वतंर के अठारवें युग में शुंभ-निशुंभ से कुछ भिन्न दानव फिर पैदा होंगे। तब नदगोप के घर यशोदा के गर्भ से अवतार लेकर विंध्याचल में वास करुंगी। दैत्यों का विनाश करुंगी। बारहवें अध्याय में सप्तशती का महात्म वर्णित है। तेरहवां अध्याय समापन है। इस तरह से श्री दुर्गा सप्तशती काम-क्रोध, मद-मोह-माया से विरक्त रहने का संदेश भी देता है। देवी के विभिन्न रूप में अवतार और इन अवतारों द्वारा असुरों का नाश, इस बात का सशक्त उदाहरण हैं। ये कहने की जरूरत नहीं कि इसके पाठ से शांति मिलती है, सुख-समृद्धि प्राप्त होती है, कष्ट दूर होते हैं। विश्वासपूर्वक इसका पाठ किया जाए तो इसमें मनोवांछित फल की कामना पूर्ण करने की अपार शक्ति है।

या देवी सर्वेभूतेषू शक्ति रूपेण संस्थिताः।
नमस्तस्यै, नमस्तस्यै, नमस्तस्यै नमो नमः॥

माँ भवानी सबकी करती है मनोकामना पूर्ण

छत्तीसगढ़ के पावन धार्मिक स्थलों में एक नाम आता है डोंगरगढ़ का जी हां, मां बम्लेश्वरी की पावन धरती डोंगरगढ़ से मात्र 17 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है ग्राम करेला। यहां स्थित डोंगरी को भवानी डोंगरी के नाम से जाना जाता है। बीट क्रमांक 321 जो कि 380 हेक्टेयर में फैला है। इस पहाड़ी पर प्राकृतिक छटा के मध्य विराजमान है मां भवानी। यहां से लगा है ग्राम बन्दबोड़, यहां जंगल में स्थापित है बाबा बन्छोर देव। यहां स्थापित बन्छोर देव की प्रतिमाएं पन्द्रहवीं - सोलहवीं ईसा पूर्व की बताई जाती है।

इन धार्मिक स्थलों की ओर जाने के पूर्व पहुंचना पड़ता है ढारा - मोहारा चौक, जो ठेलकाडीह से होते हुए जिला मुख्यालय राजनांदगांव से जोड़ता है। दक्षिण से आने वाले मार्ग में मां बम्लेश्वरी की पावन धरा डोंगरगढ़ को जोड़ता है। जबकि उत्तर से आने वाले मार्ग खैरागढ़ को जोड़ता है। मां दन्तेश्वरी चौक से ही देखने मिलती है पुरातात्विक महत्व के पाषाण पर अंकित कलाकृतियाँ। जहां पूर्व की सड़क से निकलते वक्त एक विशालकाय पीपल वृक्ष के तले दाहिने ओर पुरातात्विक महत्व की कलाकृतियाँ मिलती है, वहीं दक्षिण की ओर निकलने पर दाहिने की ही ओर पुरातात्विक महत्व की कलाकृतियाँ मिलती हैं। यहां पर मां भवानी मंदिर पहुंच मार्ग को चिन्हान्कित करने बोर्ड लगाया गया है।

मां दंतेश्वरी चौक से उत्तर की ओर पक्की सड़क से आगे बढ़ना पड़ता है। लगभग एक किलोमीटर का रास्ता तय करते ही पुनः मार्ग विभाजक मिलता है। यहां पर से ही पश्चिम की दिशा की ओर प्राकृतिक छटा दिखना शुरूहो जाता है। मार्ग विभाजक से जहां एक मार्ग उत्तर दिशा की ओर जाता है वहीं दूसरे मार्ग पूर्व दिशा की ओर जाता है। हालांकि दोनों मार्ग खैरागढ़ को जोड़ता है यहां से मां भवानी, बाबा बन्छोर देव एवं मां विन्धयवासिनी के दर्शनार्थ भक्तजनों को उत्तर दिशा की मार्ग पर चलना पड़ेगा। इस तिराहे से ही प्राकृतिक छटा दिखाई देने लगता है। इस मार्ग से गुजरते हुए पश्चिम दिशा की ओर पड़ी दिखाई देती है खेती की जमीन और आच्छादित वन। यहां की प्राकृतिक छटा मन को लुभाने लगता है। जल्द से जल्द उस प्राकृतिक छटा के नजदीक पहुंचने की लालसा बढ़ जाती है। यह मार्ग भी पक्की ही है। इस डामरीकृत मार्ग से होते हुए लगभग दो किलोमीटर का रास्ता तय करने के बाद फिर एक तिराहे मिलेगा। इसे करेला चौक के नाम से जाना जाता है। यहां पर दो करेला गांव है। पूर्व दिशा में स्थित गांव को नया करेला कहा जाता है जबकि पश्चिम दिशा में स्थित गांव को पुराना करेला के नाम से जाना जाता है।

यानि मां भवानी का पावन तीर्थ स्थल। इस मार्ग में प्रवेश कच्ची मार्ग से करना पड़ता है। आज भी इस क्षेत्र की महिलाएं जंगलों से लकड़ियां बीन कर लाती है। उसकी आग से भोजन बनता है। इस मार्ग से सिर पर लकड़ियों की गठ्ठर उठाए आती महिलाएं दिख ही जायेंगी। लगभग एक फर्लांग बाद ही शुरूहो जाता है पुराना करेला। यहां एकाध मकान को छोड़ दे तो शेष मकान कच्ची और कवेलू के ही नजर आते हैं। मकानों के आंगन बांसों की घेरा से सुरक्षित दिखाई देगी। इन मकानों को पीछे छोड़ते ही दिखाई देने लगती है हरियाली से आच्छादित वन और दूर दूर तक खाली पड़ी जमीन। जैसे ही वन के निचले भाग में पहुंचे कि नीचे स्थित मां भवानी मंदिर के गगनचुंबी गुंबद और लहराते ध्वजा अपनी ओर खींचती है, मंदिर की घंटी की गूंज से किसी धार्मिक स्थल पर होने की अनुभूति होने लगती है।

मां भवानी मंदिर के सामने बनाया गया।

मां भवानी मंदिर के ठीक बाजू अर्थात् उत्तर दिशा में ज्योति कक्ष बनाया गया है। यहां प्रतिवर्ष भक्तों द्वारा क्वांर एवं चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व पर मनोकामना दीप प्रावलित की जाती है। मंदिर की दक्षिण दिशा में मां की झूला है। इसके ठीक पीछे त्रिशूल, बाना, तराजू खंजर और माताजी के नील लगे चरण पादुका रखा गया है।

मां भवानी के आगमन के संबंध में बताया जाता है कि आज से लगभग दो ढाई सौ वर्ष पूर्व स्वर्गीय श्री नारायण सिंह कंवर जो कि मालगुजार थे ओसारे में कुछ ग्रामीणों के साथ बैठे हुए थे। जेठ - बैसाख का माह था। भरी दुपहरी में जलजलाती हुई सर्वांग में बड़ी माता लिए एक तरुण अवस्था की कन्या आयी।

चेहरे तेज, उन्नत ललाट, श्वेत वस्त्र धारण किये उस कन्या ने मालगुजार स्व. श्री कंवर से अपने रहने के लिए जगह मांगी। श्री कंवर ने उससे अपने घर में ही रहने का आग्रह कर फिर से ग्रामीणों से बातचीत करने व्यस्त हो गये मगर जैसे ही उनका ध्यान ग्रामीणों से बंटा और ध्यान आया कि कोई कन्या आयी थी तथा ठहरने की लिए जगह मांगी थी वह दिखाई नहीं दे रही है। वे हड़बड़ा गये। तब तक वह कन्या वन का रास्ता पकड़ ली थी। स्वर्गीय नारायण सिंह कंवर उस कन्या के पीछे दौड़े साथ ही ग्रामीण भी। जब तक वे उस तक पहुंचते तब तक वह कन्या ऊपर पहाड़ी पर पहुंचकर बांस भीरा और एक चिरपोटी के नीचे छांव पर जा बैठी थी। श्री कंवर ने हाथ जोड़कर कहा कि माता मैंने तो आपको अपने घर में ठहरने कहा था, आप तो यहां आ गयी। चलिए मेरे निवास में... तब माता ने कहा - मेरे लिए यही जगह उपयुक्त है। मुझे यही रहना है। मां भवानी की बात सुनकर स्वर्गीय कंवर ने ग्रामीणों को वहां कुटिया बनाने कहा। ग्रामीण कुटिया बनाने लकड़ी की व्यवस्था कर ही रहे थे कि वह कन्या वहीं पर लुप्त हो गयी।

बताया जाता है कि मां भवानी सर्वमंगलकारी है। उनकी कृपा से कई लोगों की दरिद्रता दूर हुई है। कष्टों से कई लोगों ने मुक्ति पाई है।

नीचे मां भवानी मंदिर समतल भूमि में स्थित है। मां भवानी और बाबा बन्छोर देव की पावन धरा बन्दबोड़ के मध्य बना है एक जलाशय। इस जलाशय को भंडारपुर जलाशय के नाम से जाना जाता है। यहां की प्राकृतिक छटा देखते ही बनती है। इस प्राकृतिक छटा को निहारते हुए भक्तगण पहुंचते है ग्राम बन्दबोड़ और फिर शुरूहो जाता है बाबा बन्छोर देव के दर्शनार्थ पहुंचने रास्ता। यहां मोकइया वृक्ष के तले घोड़े पर बाबा बन्छोर देव सवार है। यहां दर्जनों की संख्या में पुरातात्विक महत्व की कलाकृतियाँ बाउण्ड्रीवाल की दीवार से संटा कर रखी गई है। किंवदंती है कि एक समय छैमासी रात पड़ी थी। इस छैमासी रात में बन्छोर देव घोड़े पर सवार होकर दल - बल समेत बरात जा रहे थे। संभवतः वह रात छैमासी की आखिरी रात थी। बाबा बन्छोर देव दल बल सहित बनबोड़ के वन से गुजर रहे थे कि सुबह हो गई और वे मूर्तिस्थ में परिवर्तित हो गए। यह भी कहा जाता है कि ग्राम बन्दबोड़ के लोग मूर्तिकला में पारंगत थे। वे खाली समय में मनोरंजन की दृष्टि से वन में जाकर पत्थरों में मूर्ति कुरेदा करते थे। आज भी बन्दबोड़ में कुंभकारों का एक पारा है। यहां के मूर्तिकारों की ख्याति न सिर्फ गांव तक सीमित है, अपितु इनके द्वारा बनाये मूर्तियों की मांग जिला मुख्यालय तक है, इससे यह अनुमान लगाया जा सकता है कि यहां आदिकाल से मूर्तिकला जीवित है। बन्छोर देव तक पहुंचने के पूर्व रावण भाठा पड़ता है, जहां प्रत्येक वर्ष दशहरा पर्व मनाया जाता है। यहां संक्षिप्त रामलीला के बाद रावण वध किया जाता है।

भाजपा और कांग्रेस उम्मीदवारों की नामांकन प्रक्रिया पूर्ण, प्रचार शुरू

सूरत। गुजरात की 26 लोकसभा सीटों और विधानसभा 4 सीटों पर 23 अप्रैल को होनेवाले चुनाव के लिए भाजपा और कांग्रेस समेत अन्य उम्मीदवारों के नामांकन प्रक्रिया पूर्ण हो गई है। गुजरात में भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला है और शुक्रवार से दोनों पार्टियां अपने उ मीदवारों के प्रचार को और तेज कर दिया। गुजरात में भाजपा ने अपने 26 में 10 सांसदों की टिकट काटी है और 16 सांसदों को रिपीट किया है। जबकि कांग्रेस ने अपने मौजूदा 8 विधायकों को लोकसभा चुनाव के मैदान में उतारा है। जबकि भाजपा ने राज्य सरकार के मंत्री परबत पटेल समेत तीन विधायकों को टिकट दिया है। भाजपा ने छह महिलाओं को उ मीदवार बनाया है, जबकि कांग्रेस ने केवल एक महिला को टिकट दिया है। भाजपा ने जामनगर से पूनम माडम, भावनगर से भारती शियाल, वडोदरा से रंजन भट्ट, सूरत से दर्शना जरदोश, छोटा उदेपुर से गीता राठवा और मेहसाणा से शारदा पटेल को टिकट दिया है। जबकि कांग्रेस ने अहमदाबाद पूर्व से गीता पटेल को चुनाव मैदान में उतारा है।

लोकसभा चुनाव का नामांकन रद्द होने से अपक्ष प्रत्याशी ने हाथों की नसें काटीं

सूरत। सूरत कलेक्ट्रेट में उस समय हड़क प मच गया जब लोकसभा चुनाव का नामांकन रद्द होने से हताश अपक्ष उ मीदवार ने अपने दोनों हाथों की नास काट ली। अपक्ष प्रत्याशी का आरोप है कि भाजपा के इशारे उसका नामांकन पत्र रद्द किया गया।

गुजरात की सभी 26 सीटों पर तीसरे चरण में 23 अप्रैल को वोटिंग होना है। 4 अप्रैल को पर्चा पत्र दाखिल करने की अंतिम तारीख थी और आज 5 अप्रैल को नामांकन पत्रों की जांच की गई। जिसमें निर्दलीय चुनाव लड रहे शिवा चावड़ा नामक उ मीदवार के नामांकन में कई गलतियां होने की वजह से कलेक्टर ने उसका पर्चा रद्द कर दिया। नामांकन रद्द होने से शिवा चावड़ा को बड़ा झटका लगा और हताशा में उसने अपने दोनों हाथों की नसें काट लीं। कलेक्टर कचहरी में इस प्रकार की घटना से हड़क प मच गया। शिवा चावड़ा ने अपने एक हाथ में एक और दूसरे हाथ में चाकू से तीन वार कर नसें काट दीं। लहूलुहान हालत में शिवा चावड़ा को तुरंत ए ब्युलैंस 108 से सूरत के नए सिविल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसकी हालत स्थिर है।

सूरत ई डिवीजन के एसीपी एनएन देसाई ने बताया कि शिवा चावड़ा नामक एक निर्दलीय उ मीदवार ने नामांकन रद्द होनेसे कलेक्टर कचहरी में ही अपने हाथों की नसें काट लीं। हांलाकि वहां मौजूद लोग शिवा चावड़ा को ऐसा करने से रोकते तब तक काफी देर चुकी है। शिवा चावड़ा ने एक हाथ में एक और दूसरे हाथ में तीन पर चाकू वार कर नसें काट दीं थीं। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

आर्थिक तंगी से त्रस्त युवक ने किया आत्महत्या का प्रयास

सूरत। शहर के पांडेसरा इलाके में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया।

सिविल सूत्रों के अनुसार शहर के पांडेसरा विस्तार स्थित नेमनगर में रहने वाले 35 वर्षीय शिवबाबु बिन्देश्वरी सरोज दो बच्चे और पत्नी के साथ रहते हैं। वे मजदूरी करके परिवार का भरण पोषण करते हैं। पिछले काफी वक्त से शिव बाबू को आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा था, जिससे वे मानसिक रूप से तनाव में आ गए थे। गुरुवार दोपहर दो बजे के करीब जब परिवारवाले घर में सो रहे थे उसी समय शिव बाबू ने घर में दुपट्टे से फांसी लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया था। समय से परिजनों को पता चलने पर वे फौरन शिव बाबू को उपचार के लिए सिविल ले गए जहां उसका उपचार चल रहा है। सिंह मनुभाई को सूचना मिली

नकली नोटो के कारोबार का पर्दाफास

सूरत। शुक्रवार सूरत पुलिस कमिश्नर द्वारा सूरत शहर विस्तार में आगमी लोक सभा चुनावों के मद्देनजर सम्पत्ति सम्बन्धी अपराधों की जांच कर कायदेसर कार्यवाही करने की सूचना के सन्दर्भ में उच्च पुलिस अधिकारियों के आदेश एवं मार्गदर्शन में डी. सी.बी पुलिस की टीम के अ.ओ.को. हितेन्द्र सिंह भुपत सिंह तथा अ.पो.का. विक्रम सिंह मनुभाई को सूचना मिली कि कापोद्रा सी. एन. पम्प के पासभूपति सिंह रणछोड़ भाई जेजरिया नि. गाम दाघोड़िय पूर्व दिशा वाडीविस्तार तालुका मुली जिला सुरेन्द्र नगर तथा दिलीप उर्फ दीपक धीरुभाई कटेशिया निवासी गाम कोटडा रेल्वे फाटक के पास तालुका विहिया जिला राजकोट 2000 रुपये के दर के भारतीय नकली नोट चलाने हेतु मौके पर मौजुद है। उपरोक्त सूचना के आधार पर डी.सी.बी पुलिस ने मौके पर पुहंच कर दोनों जाल साजों को रुपये 2000 की दर के 29 नकली नोटों के साथ गिरफ्तार कर लिया उनकी जड़ती में उनके पास से 2 मोबाइल फोन तता बिना नम्बर प्लेट हिरों सप्लेंडर प्लस मोटर साइकल भी मिलाकर कुल 1.9000 का मुद्दा माल बरामद किया। उपरोक्त आरोपियों की पुछताछ में साफ हुआ कि उपरोक्त जाली नोट उन्होंने अपने मित्र मुकेश देवजी भाई ताविया के मित्र हरजी भाई वाजी भाई टोलिया से तारीख 4/4/2019 में राजकोट से लेकर सूरत में चलाने के लिए लाये थे। इस सम्बन्ध में डी.सी.बी पो. स्टे. ने गुन नं. 06/2019 आई. पी.सी की धारा 489(ए) 489 (बी) 489(सी) 120(बी) के तहत केस दर्ज कर उपरोक्त दोनों आरोपियं को गिरफ्तार कर कार्यवाही की है मामले में आगे की जांच पुलिस स. इ. आई. ए. रबारी कर रहे है। उपरोक्त मामले के जांच के दौरान पु.स.इ. रबारी ने आज तारीख 5/4/2019 में सवेरे 8.15 बजे सम्बद्ध अराध में बान्टेड मुकेश उर्फ मुको देवजी भाई ताविया निवासी गाम मेटोड़ा जिला राकोट व हरजीभाई वाला भाई तोलिया निवासी गाम कोटड़ा तालुका विहिया जिला राकोट को सरथाना जकात नाके के पास से 2000 रुपये के नकली 14 नोटों के साथ तथा 500 रुपये के दो नकली नोट तथा मोबाइल-2नग, के साथ कुल मिलाकर 29,800 का मुद्दामाल कब्जे में लेकर गिरफ्तार कर लिया है। मामले की आगे की जांच जारी है।

एक ही रात में पांच सफल प्रसूति कार्य बमरोली सामूहिक स्वास्थ्य केन्द्र में सम्पन्न

सूरत। सूरत महानगर पालिका द्वारा 2018-19 में नागरिकों को रेफरल सेवा मिलती रहे इस आशय से नए शहरी सामूहिक स्वास्थ्य केन्द्र शुरू किए गए है। नए शुरू किए गए स्वास्थ्य केन्द्रों में सगर्भा महिलाओं के लिए प्रसुति समेत अन्य सभी सुविधाएं उपलब्ध की गई हैं। ऐसे में बमरोली में एक ही रात में पांच सफल प्रसूति किए जाने से स्थानिकों में खुशी का माहोल देखा गया था। सूरत महानगर पालिका द्वारा शहर के विभिन्न विस्तारों में शहरी सामूहिक स्वास्थ्य केन्द्र बनाए गए है। जिससे स्थानिकों के लिए तात्कालिक उपचार सेवा प्रदान की जा सके। बमरोली विस्तार में बनाए गए सूरत महानगर पालिका संचालित शहरी सामूहिक स्वास्थ्य केन्द्र में गत रात विभिन्न समय पर पांच सगर्भाओं की सफल डिलिवरी की गई थी। पांचो डिलिवरी मामले में माता और नवजात बच्चों की हालत स्वस्थ है। आगामी दिनों में सभी सामूहिक केन्द्रों पर लैबोरेटरी की सुविधा जैसे कि ब्लड काउन्ट, फीस्क डे सगर्भा सोनोग्राफी जांच भी उपलब्ध कराई जाएगी।

जे.जे. एसी. मार्केट का व्यापारी से 7.74 लाख की धोखाधड़ी का शिकार

सूरत। रिंगरोड जे.जे. एसी मार्केट में अरिहंत क्रिएशन के मालिक के पास से साड़ी का माल खरीदने के बाद मुंबई के तीन व्यापारी द्वारा 7.74 लाख की धोखाधड़ी की गई है। मिली सूचना के अनुसार उधना साउथ जोन ऑफिस के सामने चंदनवन सोसायटी में रहनेवाले सुमित जयंतीलाल मेरतवाल रिंगरोड जे.जे. ए.सी. मार्केट में अरिहंत क्रिएशन के नाम पर दुकान चलाते हैं। सुमित के पास से जनवरी में मुंबई के नाला सोपारा सरीना सारी के नाम पर व्यवसाय करनेवाला दीपकलाल छोटालाल भट्ट, जतीन चित्तलिया और कुमकुम साड़ी सेल के मालिक संदीप कनु देसाई ने सरीना साड़ी के नाम से 11,46,336 का साड़ी का माल खरीदा था। जिसमें से 3,74,897 रुपए चुकाए थे। बाद में बाकी के 7,74,439 रुपए की आज दिन तक कई बार उगरहनी करने के बावजूद नहीं देकर तीनों ने धोखाधड़ी की।

28 लाख की शराब समेत 2 गिरफ्तार, 11 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

अहमदाबाद। स्टेट मोनिटरिंग सेल ने गुरुवार की रात नाना चिलोडा सर्कल के निकट से 28 लाख रुपए से अधिक कीमत की विदेशी शराब समेत दो शख्सों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने पीएसआई के पुत्र समेत 11 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। चुनाव के चलते राज्यभर में शराब तस्करी के खिलाफ अभियान चल रहा है। अब तक राज्य में छह करोड़ रुपए से अधिक की शराब पकड़ी जा चुकी है। गुरुवार की रात स्टेट मोनिटरिंग सेल ने नाना चिलोडा सर्कल के निकट से बड़ी मात्रा में शराब जब्त की है। अन्य राज्यों से शराब लादकर ज्यादातर ट्रक चिलोडा-हिम्मतनगर हाईवे से गुजरते हैं। ऐसे ट्रकों को पकड़ने के लिए पुलिस मुखबिरों को सक्रिय कर देती है और उनसे मिली सूचना के आधार पर कार्यवाही करती है। गुरुवार को स्टेट मोनिटरिंग सेल को सूचना मिली थी कि राजस्थान के उदयपुर से बड़ी मात्रा में शराब लाई जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस नाना चिलोडा सर्कल पर वाहनों की जांच कर रही थी। उस वक्त पाउडर से लदे एक ट्रक की जांच करने पर उसमें से 28 लाख रुपए की शराब बरामद हुई। पाउडर की बोरियों की आड में विदेशी शराब की पेटियां छिपाई गई थीं। पुलिस ने राजस्थान के चंगेडी निवासी ट्रक ड्राइवर उदयलाल वेरीराम रेगर और अहमदाबाद के कृष्णनगर क्षेत्र में रहनेवाली ललित मूलचंद जादव को गिरफ्तार कर लिया। ट्रक में विदेशी शराब राजस्थन निवासी मानसिंह शंकरलाल मीणा, शका उर्फ सुखलाल रूपलाल डांगी, दला भूरा रबारी, गुजरात के ईडर निवासी वाघजी होथी रबारी नामक चार शख्सों ने लदवाया था। ट्रक में लदी शराब अहमदाबाद के संतोष और बंसी नामक शख्सों को पहुंचाई जानी थी। चौंकाने वाली बात यह है कि मेहसाणा तहसील पुलिस थाने में सेवारत पीएसआई के पुत्र ने इतनी बड़ी मात्रा में शराब मंगवाई थी। पुलिस ने पीएसआई के पुत्र समेत 11 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू की है।

भारतीय निर्वाचन आयोग और रेलवे के सहयोग से मतदाता जागरूकता अभियान

अहमदाबाद। भारत निर्वाचन आयोग एव भारतीय रेलवे द्वारा मिलकर आगामी लोकसभा चुनाव 2019 के लिए एक अभियान पहल करते हुए मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा हे जिसमे आज अहमदाबाद स्टेशन पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इस दौरान इलैक्शन कमिशन से जुड़े कर्मचारीगण, भारत स्काउट गाइड की टीम, ढ़ोल व नगाड़े बजाकर यात्रियो का ध्यान आकर्षित किया गया तथा उन्हें अधिक से अधिक संख्या मे भाग लेकर मतदान के लिए प्रेरित किया गया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से उन्हें अपने मतदान करने के फायदे भी बताए गए। इस दोरान ईवीएम तथा वीवीपेट मशीन का डेमो भी दिखाया गया तथा इलैक्शन कमिशन के ब्रांड एम्बेसेडर व आरजे हर्षिल ने सभी को मतदान अनिवार्य है की सपथ भी दिलाई। अहमदाबाद स्टेशन पर उपलब्ध विडियो वॉल तथा टीवी स्क्रीन के माध्यम से भी यात्रियो के मतदान के प्रति जागरूक बनाने के लिए लगातार जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। इस आयोजन मे अहमदाबाद स्टेशन के स्टेशन डाइरेक्टर एव वरिष्ट मण्डल परिचालन प्रबन्धक (योजना) आर सी मीना जिल्ला शिक्षा अधिकारी, अहमदाबाद आर सी पटेल तथा काफी बड़ी संख्या मे यात्रीगण उपस्थित थे।

अमित शाह के अहमदाबाद में दो चरणों में रोड शो आज

अहमदाबाद। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और गांधीनगर संसदीय सीट से उम्मीदवार अमित शाह कल अहमदाबाद में दो चरणों में रोड शो करेंगे। पहला चरण सुबह 9.30 बजे से 12.30 बजे और दूसरे चरण का रोड शो शाम 5.30 बजे शुरू होगा। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष जीतु वाघाणी ने आज संवाददाताओं से बातचीत में बताया कि भाजपा के स्थापान दिवस के मौके पर गांधीनगर लोकसभा सीट के प्रत्याशी अमित शाह अहमदाबाद के वेजलपुर और साबरमती में जनसंपर्क रैली और रोड शो करेंगे। वाघाणी ने बताया कि 6 अप्रैल को सुबह 9.30 बजे अहमदाबाद के वेजलपुर से रोड शुरू होगा। वणझार, सरखेजगाम, रोजा, श्रीनंदनगर, जीवराज पार्क, देवाश फ्लैट, स्वामीनारायण मंदिर, श्यामल ब्रिज, श्यामल 100 फूट रोड, हरण सर्कल, श्रद्धा स्कूल चार रास्ता, जोधपुर चार रास्ता, मानसी सर्कल, वस्त्रापुर शहीद चौक होते हुए दोपहर 12.30 बजे हवेली मंदिर में रोड शो का समापन होगा। रोड शो और जनसंपर्क को दूसरा दौर शाम 5.30 बजे शुरू होगा, जो राणीप से निर्णयनगर अंडर पास से होकर चांदलोडिया, उमिया होल, वंदे मातरम, कंकूनगर, दुर्गा स्कूल, सरदार चौक, नवनिर्माण स्कूल, राणीप बस स्टैंड, श्रीराधा स्वामी रोड, साबरमती पावरहाउस, रामनगर, रामबाग रोड, नीलकंठ महादेव, हरिओम सोसायटी, देवभूमि रोड के स्थल पर समापन होगा। वाघाणी ने बताया कि 6 अप्रैल की रात अमित शाह अहमदाबाद के घाटलोडिया विधानसभा के बोपल मंडल में आनेवाली विभिन्न सोसायटियों के लोगों के साथ सीधा संवाद करेंगे।

पुत्र ने 10 मिनट तक चीता से मुकाबला कर पिता को बचाया

वलसाड। जिले के जामलिया गांव के निकट पशु चरा रहे एक वृद्ध पर चीता ने हमला कर दिया। पिता की चीख पुकार सुन उनका पुत्र मौके पर पहुंच गया और चीते से भिड़ गया। करीब 10 मिनट चली लड़ाई में आखिर चीता को मौके से भागना पड़ा। चीते के हमले में घायल वृद्ध को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गुजरात में चीते के हमले की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही है। मानव दिखते ही चीता उस पर हमला कर देता है। वलसाड जिले की धरमपुर तहसील के जामलिया गांव में ऐसी ही घटना सामने आई है। जामलिया गांव निवासी देवरामभाई पवार गांव के निकट अपने पशु चरा रहे थे। जबकि उनका पुत्र महेश पवार कुछ दूरी पर अन्य पशुओं का चरा रहा था। उस वक्त दो बच्चों के साथ चीते ने देवरामभाई पर हमला कर दिया। चीते से भयभीत देवरामभाई ने उसे भगाने का काफी प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिलते मदद की गुहार लगाने लगे। पिता की आवाज सुनकर महेश तुरंत पिता को बचाने दौड़ पड़ा। करीब 10 मिनट तक रमेश और चीता मुकाबला हुआ और बाद में चीता अपने दो बच्चों के साथ जंगल की ओर भाग गया। चीता के हमले में घायल देवराम पवार को धरमपुर के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पीएम मोदी 10 अप्रैल को गुजरात में दो रैलियों को संबोधित करेंगे

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 10 अप्रैल को गुजरात आएंगे और उसी दिन सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात में जनसभाओं को संबोधित करेंगे। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष जीतु वाघाणी ने आज संवाददाताओं से कहा कि 10 अप्रैल को दोपहर में पीएम मोदी जूनागढ़ शहर में रैली को संबोधित करेंगे। इस रैली में जूनागढ़ और पोरबंदर संसदीय क्षेत्र के लोग शामिल होंगे। जूनागढ़ से पीएम मोदी दक्षिण गुजरात जाएंगे। जहां तापी जिले के सोनगढ़ शहर में बारडोली और नवसारी लोकसभा क्षेत्रों की जनता को पीएम मोदी संबोधित करेंगे।

अहमद पटेल के रूप में राज्य ने 35 साल पहले चुना था आखिरी मुस्लिम सांसद

अहमदाबाद। गुजरात ने 35 साल पहले आखिरी बार कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अहमद पटेल को मुस्लिम सांसद के रूप में लोकसभा भेजा था। अहमद पटेल इंदिरा गांधी की हत्या के बाद सहानुभूति की लहर में 1984 में लोकसभा का चुनाव जीते थे। हालांकि इसके बाद सन 1989 में हुए चुनाव में वह भरुच सीट से भाजपा के चंदू देशमुख के हाथों हार गए। उसके बाद से आज तक कई लोकसभा चुनाव हो चुके हैं, मगर गुजरात से एक भी मुस्लिम उम्मीदवार निर्वाचित होकर लोकसभा में नहीं पहुंचा है। राज्य की कुल आबादी का 9।5 फीसदी मुसलमान हैं। सन 1962 में हुए पहले लोकसभा चुनाव में गुजरात के बनासकांठा से जोहरा चावड़ा चुनी गईं, उसके बाद 1977 के चुनाव में दो मुस्लिम उम्मीदवार अहमद पटेल (भरुच) और एहसान जाफरी (अहमदाबाद) लोकसभा पहुंचे। सन 1977 के चुनाव में पहली और आखिरी बार सबसे ज्यादा मुस्लिम सांसद (2) लोकसभा पहुंचे। सन 2014 के चुनाव तक का इतिहास देखें तो राष्ट्रीय पार्टियों में कांग्रेस ने महज 15 मुस्लिम प्रत्याशियों को चुनावी मैदान में उतारा था, भाजपा ने तो एक भी मुस्लिम उम्मीदवार को कभी टिकट ही नहीं दिया। इस बार भी कांग्रेस ने सिर्फ एक मुस्लिम प्रत्याशी को भरुच से टिकट दिया है। भरुच सीट पर मुस्लिम आबादी सबसे अधिक है। यहां 15।64 लाख मतदाताओं में 22 फीसदी मुस्लिम मतदाता हैं। जबकि, जनजातीय मतदाताओं की संख्या 31 फीसदी है। अहमदाबाद (पश्चिम) पर 25 फीसदी मुस्लिम मतदाता हैं। गांधीनगर स्थित जुहापुरा इलाका सबसे ज्यादा मुस्लिम आबादी वाला इलाका है, जहां मुस्लिम आबादी 4 लाख से भी ज्यादा है। इस बार गांधीनगर से भाजपा अध्यक्ष अमित शाह चुनाव मैदान में हैं।

लोहे के एंगलों से लदे ट्रक के पीछे घुसा ट्रक, क्लीनर की मौत

बनासकांठा। जिले के झेरडा के निकट हाईवे पर लोहे की एंगल लादकर जा रहे ट्रक के पीछे दूसरा ट्रक घुस गया। इस हादसे में पीछे वाले ट्रक के क्लीनर की मौत हो गई। जबकि ड्राइवर घायल हो गया। डीसा रूरल पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक बनासकांठा जिले की डीसा तहसील के झेरडा के निकट देर रात एक ट्रक लोहे की एंगलें लादकर जा रही था। उस वक्त राजस्थान पासिंग का एक ट्रक लोहे एंगलों से लदे ट्रक के पिछले हिस्से से टकरा गया। इस हादसे में ट्रक के क्लीनर आरिफ इल्यासखान मुसलमान की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक आरिफ राजस्थान के भरतपुर जिले के रसूलपुर का निवासी था। जबकि ट्रक ड्राइवर राजस्थान के भरतपुर जिले के पुनाय निवासी साहिद याकूबखान मुसलान घायल हो गया। खबर मिलते ही डीसा ग्रामीण पुलिस मौके पर पहुंच गई और शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया और ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)